

Padma Shri



DR. ROMAN SARMAH

Dr. Roman Sarmah is a litterateur, poet, novelist, short story writer, freelance journalist, columnist, dramatist, actor, practicing lawyer and editor of 90 year old magazine "BORDOICHILA". He is also an academic with experience as a Principal of a Law College in Assam.

2. Born on 1st March 1953, Dr. Sarmah obtained Bachelor Degree in Life Sciences and thereafter received Master Degree in English Criticism and also a Master Degree in Law from Guwahati University, Assam. He also received Ph.D. Degree in Law alongwith a Diploma in Journalism from the same University. He has also written radio plays for Guwahati Centre of All India Radio. He is also a screenplay and narration writer for Television (Doordarshan Kendra, Guwahati).

3. Dr. Sarmah has fourteen works published in various genres like Novel, Short Story, Drama, Poetry, Essays, Lyrics, Biographies etc. He has also contributed more than a thousand columns in various English and Assamese news papers, journals etc. His writings on legal matters for about seven years in an Assamese newspaper have immensely benefitted the students and common people. His Seminar papers on measures for combating Terrorism, control of proliferation of small arms etc. have been widely acclaimed. His Novel "MALINI", based on woman empowerment has earned reader acclaim. He is also a radio drama artiste of repute and he is a well acclaimed Anchorperson.

4. Dr. Sarmah is a Life Member of Asom Sahitya Sabha, the biggest literary organization of Assam, which was established in 1917. He is the former President and present Advisor of Chanmari Sahitya Sabha. Presently, he holds the Office of General Secretary of Sabita Sabha Guwahati, a reputed literary organization established in 1953. He is also the Literary Secretary of a seventy year old literary organization "Guwahati Alochana Chakra". He is further actively associated with a children organization "Kakoli Moina Parijat" and many other organizations like "Dalita Sahitya Chakra", "Pada Pathat Abelir Kabita" etc. He is one of the founder members of a notable socio-cultural organization named "Jyotirupa" of which he is a former Working President and present Vice-President.

5. Dr. Sarmah has been honoured by the Government of Assam with Literary Pension for his contributions. He has been honoured by American Poetry Association with a prestigious Award for Poetry in 2007. He has been accorded felicitation by numerous social, cultural, literary organizations for his contributions in the fields of Literature, Journalism, Education and Culture.



डॉ. रोमान शर्मा

डॉ. रोमान शर्मा एक साहित्यकार, कवि, उपन्यासकार, लघुकथा लेखक, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार, नाट्यकार, अभिनेता, वकील और 90 वर्ष पुरानी पत्रिका "बोरदोइचिला" के संपादक हैं। वे अकादमिक अनुभव प्राप्त असम के एक लॉ कॉलेज के प्राचार्य भी हैं।

2. 1 मार्च, 1953 को जन्मे, डॉ. शर्मा ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से जीव विज्ञान में स्नातक की डिग्री, अंग्रेजी समालोचना में और लॉ में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने इसी विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में डिप्लोमा के साथ-साथ लॉ में पीएच.डी की डिग्री भी हासिल की। उन्होंने आकाशवाणी के गुवाहाटी सेंटर के लिए रेडियो नाटक भी लिखे हैं। वे टेलीविजन (दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी) के लिए पटकथा और कथानक लेखक भी हैं।

3. डॉ. शर्मा की उपन्यास, लघु कथा, नाटक, कविता, निबंध, गीत, जीवनी आदि जैसी विभिन्न शैलियों में चौदह कृतियां प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने विभिन्न अंग्रेजी और असमिया समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं आदि में भी एक हजार से अधिक स्तंभ लिखे हैं। असमिया के एक अखबार में करीब सात साल तक कानूनी मामलों पर उनके लेखन से छात्रों और आम लोगों को काफी फायदा हुआ है। आतंकवाद का मुकाबला करने, छोटे हथियारों के प्रसार पर नियंत्रण आदि कार्यों पर उनके संगोष्ठी पत्रों को व्यापक रूप से सराहा गया है। नारी सशक्तीकरण पर आधारित उनके उपन्यास "मालिनी" ने पाठकों की प्रशंसा अर्जित की है। वह एक प्रतिष्ठित रेडियो नाटक कलाकार हैं और सुप्रसिद्ध एंकरपर्सन भी हैं।

4. डॉ. शर्मा 1917 में स्थापित असम के सबसे बड़े साहित्यिक संगठन असम साहित्य सभा के आजीवन सदस्य हैं। वे चनमारी साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान सलाहकार हैं। वे 1953 में स्थापित एक प्रतिष्ठित साहित्यिक संगठन सबीता सभा गुवाहाटी के महासचिव के पद पर हैं। वे सत्तर साल पुराने साहित्यिक संगठन "गुवाहाटी आलोचना चक्र" के साहित्य सचिव भी हैं। वे एक बाल संगठन "काकोली मोइना पारिजात" और "दलित साहित्य चक्र", "पद पथत अबेलिर काबिता" आदि जैसे कई अन्य संगठनों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे "ज्योतिरूपा" नामक एक प्रसिद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। वे इस संगठन के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और वर्तमान उपाध्यक्ष हैं।

5. डॉ. शर्मा को असम सरकार ने उनके योगदान के लिए साहित्यिक पेंशन से सम्मानित किया है। उन्हें 2007 में अमेरिकन पोएट्री एसोसिएशन द्वारा कविता के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए कई सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।